

डॉ. एंथनी जे. टोमासिनो, द टेन कमांडमेंट्स

सत्र 10 : आज्ञा 9 – कोई झूठी गवाही नहीं

यह डॉ. एंथनी जे. टोमासिनो और दस आज्ञाओं पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 10 है, आज्ञा नौ, कोई झूठी गवाही नहीं। हम नौवीं आज्ञा पर आ गए हैं।

अब तुम अपने पड़ोसियों के खिलाफ झूठी गवाही नहीं दोगे। अब, जब मैं प्राथमिक विद्यालय में था, रविवार स्कूल की कक्षा में, मैं कभी-कभी थोड़ा समस्याग्रस्त बच्चा हो जाता था। लेकिन हमारे पास एक रविवार स्कूल शिक्षक था जो दस आज्ञाओं के बारे में बता रहा था।

और दस आज्ञाओं के उनके छोटे से चार्ट पर, हम नौवें नंबर पर पहुंचे, और यह था, तुम्हें झूठ नहीं बोलना चाहिए। और हमारे संडे स्कूल के शिक्षक ने हमें समझाया, तुम्हें हमेशा, हर परिस्थिति में सच बोलना चाहिए। और इसलिए मैंने उनसे पूछा, अपने सामान्य चालाक तरीके से, मैंने कहा, ठीक है, मि. स्मिथ, मि. स्मिथ, क्या होगा अगर तुम घर पर हो और तुम अकेले हो और कोई आकर दरवाजा पीटता है और कहता है, एक आदमी कुल्हाड़ी लेकर मेरा पीछा कर रहा है, मुझे छिपाओ, मुझे छिपाओ, कृपया।

उन्होंने कहा, और वह व्यक्ति घर में आता है, और आप उन्हें अलमारी में छिपा देते हैं। और फिर वह आदमी आता है और वह दरवाजा पीटता है और उसके पास कुल्हाड़ी होती है। और वह कहता है, वह कहाँ है? क्या वह यहाँ आई थी? मुझे क्या कहना चाहिए? क्या मुझे सच बताना होगा? और उसने कहा, ठीक है, मुझे लगता है कि आपको कुछ भी नहीं कहना चाहिए।

हाँ, यह एक बेचारे छोटे बच्चे को बहुत बुरी स्थिति में डाल देता है, जब आप वहाँ खड़े होकर कुछ भी नहीं कहते हुए कुल्हाड़ी लिए इस आदमी को घूरते हैं, क्योंकि आप उसे यह नहीं बता सकते कि नहीं, यहाँ कोई नहीं है, क्योंकि यह झूठ होगा। और यह दस आज्ञाओं का उल्लंघन होगा। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि यह आज्ञा वास्तव में ऐसा नहीं है।

वास्तव में, मुझे लगता है कि तुम झूठ नहीं बोलोगे शायद एक बहुत ही खराब अनुवाद है क्योंकि यह भ्रामक है और यह बहुत सारे सवाल उठाता है, जिन्हें संबोधित करने के लिए इस आज्ञा का वास्तव में कभी इरादा नहीं था। अब, आज्ञा का वास्तविक शब्द, निश्चित रूप से, यह है, तुम अपने पड़ोसी के खिलाफ झूठी गवाही नहीं दोगे। खैर, झूठी गवाही देना एक बहुत ही सीमित सेटिंग का संकेत देता है।

ऐसा लगता है कि यह एक न्यायालय की सेटिंग है। और शायद यही मुख्य विचार है जो यहाँ संप्रेषित किया जा रहा है। अब, मैं कहूँगा कि यह सभी दस आज्ञाओं की तरह है।

टोरा, पेंटाटेच और उसके बाद भविष्यवक्ताओं और नए नियम में भी इस बात को विस्तार से बताया गया है। लेकिन इस विशेष मामले में शब्दों का अर्थ न्यायालय से लगता है। हम कहेंगे, आपको झूठी गवाही नहीं देनी चाहिए।

अब, यह हमारे आधुनिक विश्व के संदर्भ में इसे समझने का सबसे सीधा तरीका होगा। एक बार फिर, हम पाते हैं कि झूठी गवाही की यह धारणा कई प्राचीन निकट पूर्वी कानून संहिताओं का जुनून थी। उर-नाम्मू का कानून संहिता बहुत सीधा है, वैसे, उर-नाम्मू।

अगर कोई व्यक्ति गवाह के तौर पर पेश होता है और उसे झूठी गवाही देने वाला पाया जाता है, तो उसे 15 शेकेल चांदी का भुगतान करना होगा। ओह, यह कुछ अन्य अंशों की तुलना में बहुत उदार है। अगर कोई व्यक्ति गवाह के तौर पर पेश होता है, लेकिन अपनी शपथ वापस ले लेता है, तो उसे इन मामलों के मूल्य और मुकदमेबाजी की सीमा तक भुगतान करना होगा।

हाँ, मेरा मतलब है, इस विशेष मामले में उर-नाम्मू का कानून कोड बहुत उदार था। हम्मुराबी, इतना नहीं। अगर कोई किसी को फंसाता है, उस पर प्रतिबंध लगाता है, लेकिन वह इसे साबित नहीं कर पाता है, तो उसे फंसाने वाले को मौत की सज़ा दी जानी चाहिए।

दूसरे शब्दों में, अगर आपने किसी पर किसी बड़े अपराध का आरोप लगाया है, उसे फंसाया है, और फिर आप यह साबित नहीं कर पाते कि उसने ऐसा किया है, तो आपको मौत की सज़ा दी जाती है। अगर कोई किसी व्यक्ति पर आरोप लगाता है और आरोपी नदी में जाकर कूद जाता है, अगर वह नदी में डूब जाता है, तो उसका आरोप लगाने वाला उसके घर पर कब्ज़ा कर लेगा। एक बार फिर, यह नदी के किनारे मुकदमा चलाने जैसा है।

आप जानते हैं, विचार यह है कि नदी देवता निर्दोष को दोषमुक्त कर देंगे। लेकिन अगर नदी साबित करती है कि आरोपी दोषी नहीं है और वह सुरक्षित बच जाता है, तो आरोप लगाने वाले को मौत की सज़ा दी जाएगी जबकि नदी में कूदने वाले को उस घर पर कब्ज़ा करना होगा जो उसके आरोप लगाने वाले का था। एक बार फिर, अगर आप प्राचीन बेबीलोन में रहते हैं तो YMCA में समय बिताने के महत्व पर ज़ोर दिया जा रहा है।

अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध का आरोप बड़ों के सामने लाता है और जो आरोप लगाया है उसे साबित नहीं कर पाता है, तो अगर यह आरोप मृत्युदंड योग्य है, तो उसे मौत की सज़ा दी जाएगी। तो हम पाएंगे कि यह पुराने नियम में भी स्थिति के समान है। और एक बार फिर, बस याद रखें, आप जानते हैं, 1750 ईसा पूर्व, यह मूसा के समय से कम से कम 350 साल पहले है, शायद 500 के करीब।

लेकिन यहाँ हम जो पा रहे हैं वह यह है कि, उर-नाम्मू के विपरीत, हम्मुराबी के कानून संहिता में कहा गया है कि यदि आप किसी पर आरोप लगाकर और यह प्रमाणित करके कि उसने मृत्युदंडनीय अपराध किया है, उसके जीवन को खतरे में डालने जा रहे हैं, तो आपको यह साबित करने के लिए पूरी तरह से आश्वस्त होना चाहिए कि आप इसे साबित कर सकते हैं। और यदि यह साबित हो जाता है कि आपने जानबूझकर झूठ बोला है, तो आपकी जान चली जाएगी। और जैसा कि मैंने कहा, हम टोरा, लेविटिकस अध्याय 19 में एक बहुत ही समान प्रकार का नुस्खा पाते हैं।

तुम मेरे नाम की झूठी शपथ न खाओगे। एक बार फिर, यह लैव्यव्यवस्था 19 के उस भाग में है, जहाँ वह दस आज्ञाओं में से प्रत्येक पर टिप्पणी करता है और विस्तार से बताता है। यह आज सुबह के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

तुम मेरे नाम की झूठी कसम मत खाना और इस तरह अपने परमेश्वर यहोवा के नाम को अपवित्र मत करना। यही आज्ञा है, तुम जानते हो, नाम को व्यर्थ मत लेना। तुम न्यायालय में कोई अन्याय नहीं करोगे।

तुम गरीबों का पक्ष नहीं लेना और न ही महान लोगों का सम्मान करना। बल्कि धर्म से अपने पड़ोसी का न्याय करना। तुम अपने लोगों के बीच में बदनाम करने वाले के रूप में नहीं घूमना।

और तुम अपने पड़ोसी के जीवन के विरुद्ध खड़े होकर उस पर प्राणदंड का आरोप मत लगाओ। मैं यहोवा हूँ। व्यवस्थाविवरण 19, यदि कोई द्वेषपूर्ण साक्षी किसी व्यक्ति पर गलत काम करने का आरोप लगाने के लिए उठता है, तो विवाद के कारण दोनों पक्ष यहोवा के सामने उपस्थित होंगे।

ध्यान दें, वे नदी के पास नहीं जा रहे हैं। वे प्रभु के सामने जा रहे हैं, संभवतः तम्बू या उस तरह के किसी स्थान के सामने। उन दिनों में पद पर रहे याजकों और न्यायियों के सामने, न्यायियों को लगन से पूछताछ करनी चाहिए।

और अगर गवाह झूठा गवाह है और उसने अपने भाई पर झूठा आरोप लगाया है, तो तुम उसके साथ वैसा ही करोगे जैसा उसने अपने भाई के साथ करने का इरादा किया था। इस तरह तुम अपने बीच से बुराई को मिटा दोगे। और तुम देख सकते हो कि यह हम्मूराबी की संहिता से बहुत मिलता-जुलता है।

यदि आप झूठी गवाही देकर अपने पड़ोसी की संपत्ति छीनना चाहते हैं, तो आपको संपत्ति से वंचित कर दिया जाएगा। यदि आप झूठे आरोप लगाकर अपने पड़ोसी को मरवाना चाहते हैं, तो आपको मौत की सज़ा दी जाएगी। अब, हम जो सिद्धांत पाएंगे, वह सिर्फ कक्षा या न्यायालय से परे है, मैं कहना चाहूँगा।

झूठी गवाही देने का विचार, भले ही भाषा बिल्कुल वैसी ही हो जैसी हम अदालत में घर पर पाते हैं, इसका मतलब सिर्फ अदालत में गवाही देना नहीं है, जैसा कि हम इनमें से कुछ अन्य अंशों को देखकर पता लगाएंगे। मुख्य रूप से, हम यहाँ झूठ बोलने के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। और यह लैव्यव्यवस्था 19 के उस अंश में बहुत हद तक स्पष्ट है।

यह उन शब्दों का उपयोग करने के बारे में है जिनका उद्देश्य किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना है। इस विशेष आज्ञा के पीछे यही प्राथमिक उद्देश्य है। हम पाते हैं कि, वास्तव में, यह झूठ बोलने के बारे में है। मुझे नहीं लगता कि हमने उन कुछ कठिनाइयों के बारे में बात की है जो तब उत्पन्न होती हैं जब आप किसी को बचाने के लिए झूठ बोलते हैं, उदाहरण के लिए।

क्या आप किसी की भावनाओं की रक्षा के लिए झूठ बोल रहे हैं? आप जानते हैं, अगर किसी के बच्चे ने कोई चित्र बनाया है, और वह आपको दिखाता है, और कहता है, क्या यह सुंदर नहीं है?

और आप कहते हैं, ओह, हाँ, यह सुंदर है, प्रिय। आप बहुत प्रतिभाशाली हैं। आप झूठ बोल सकते हैं।

लेकिन आप दुर्भावनापूर्ण नहीं हैं। इसलिए, आप जो कर रहे हैं वह पाप नहीं है। आप जानते हैं, अगर पत्नी अपने पति से कहती है, हाँ, प्रिय, तुम वास्तव में अब कॉलेज के दिनों से ज़्यादा सुंदर हो।

आप जानते हैं, सबसे अधिक संभावना है कि वह जो कह रही है वह सच नहीं है। क्या वह इस आज़ा का उल्लंघन कर रही है? मुझे ऐसा नहीं लगता। मुख्य रूप से, यह झूठ बोलने के बारे में नहीं है।

यह ऐसे शब्दों का उपयोग करने के बारे में है जो आपके पड़ोसी को नुकसान पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। और वास्तव में यही भगवान के मन में है। तो, फिर आगे बढ़ते हैं।

झूठी गवाही न दें, यह तो बस हिमशैल का सिरा है। और एक बार फिर, जब हम टोरा में इन अन्य अंशों को देखते हैं, जहाँ वे दस आज़ाओं पर विस्तार करते हैं, तो वे इस पर भी विस्तार करते हैं। टोरा इस मूल सिद्धांत से कई अलग-अलग अनुप्रयोग निकालता है।

अब, आइए मूल बात पर वापस जाएं, फॉरेंसिक एप्लीकेशन, जो कि झूठी गवाही न देने का विचार है, ठीक है? हमने पहले ही वह अंश पढ़ा है जिसमें बताया गया है कि आप झूठी गवाही को कैसे संभालेंगे। झूठी गवाही के परिणाम आपके पड़ोसी के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। मेरा मतलब है, अगर आप किसी को साथ लाते हैं और आप किसी के खिलाफ गवाही देते हैं, तो आप उनकी जान ले सकते हैं।

अपोक्रीफा में डैनियल के बारे में एक प्यारी कहानी है। और अपोक्रीफा में डैनियल, वैसे, डैनियल की किताब के अतिरिक्त, अक्सर एक भविष्यवक्ता की तुलना में एक जासूस की तरह अधिक दिखाई देता है। लेकिन इस मामले में, दो कामुक बूढ़े आदमी एक युवा गुणी महिला पर जासूसी कर रहे हैं, और वे तय करते हैं कि वे दोनों एक सौदा करने जा रहे हैं, जिसके तहत वे उस महिला को ब्लैकमेल करके अपने साथ सोने के लिए मजबूर करेंगे।

क्योंकि वे जो करते हैं, वे कहते हैं, आप जानते हैं, अरे, अगर हम दोनों यह गवाही देते हैं कि हमने उसे उसके यार्ड में व्यभिचार करते देखा है, तो उसे मौत की सज़ा दी जाएगी। इसलिए, हम उसे यहाँ घेर सकते हैं और उसे ब्लैकमेल करके हमारे साथ सोने के लिए मजबूर कर सकते हैं। और इसलिए, ये दो आदमी एक साथ मिलते हैं और वे इस महिला से कहते हैं, तुम हमारे साथ सोने जा रही हो, या हम कहेंगे कि तुमने व्यभिचार किया है।

औरत कहती है, नहीं, वह कहती है, मैं तुम लोगों के लिए अपना पुण्य बलिदान करने के बजाय मरना पसंद करूंगी। और इसलिए, वह चिल्लाना शुरू कर देती है और पुरुष, और एक भीड़ इकट्ठा होती है, और पुरुषों का दावा है कि उन्होंने बगीचे में इस महिला को व्यभिचार करते देखा और वह युवक भाग गया। और इसलिए, डैनियल को यहां एक बहुत ही युवा व्यक्ति के रूप में

वर्णित किया गया है, जो भीड़ में होता है, और प्रभु उसे छूता है और उसे बताता है कि ये लोग झूठ बोल रहे हैं।

और इसलिए वह तुम्हारे पास आता है, और कहता है, तुम्हें बताता हूँ कि हम क्या करने जा रहे हैं। चलो इन दो आदमियों को अलग करते हैं। और वह एक आदमी को एक तरफ ले जाता है और कहता है, तो मुझे बताओ, तुमने उन्हें व्यभिचार करते कहाँ देखा? और वह आदमी कहता है, ओह, वे वहीं उस पेड़ के नीचे थे।

और फिर वह दूसरे आदमी को ले आता है, और वह उसे सामने लाता है, और वह कहता है, तो मुझे बताओ कि ये दोनों कहाँ व्यभिचार कर रहे थे? वह कहता है, ओह, वे वहीं उस पेड़ के नीचे थे। और इसलिए उन्हें पता चलता है कि वे लोग झूठ बोल रहे थे, और उन लोगों को मौत की सज़ा दी जाती है, और युवती को दोषमुक्त कर दिया जाता है। और डैनियल को सभी लोगों की नज़रों में एक बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में उभारा जाता है जो झूठ से सच को पहचान सकता है।

तो यह स्पष्ट रूप से एक ऐसा मामला है जहाँ झूठी गवाही के कुछ बहुत बुरे परिणाम हो सकते थे। और यही कारण है कि बाइबल में यह आवश्यकता है कि किसी भी मृत्युदंड योग्य अपराध के लिए दो गवाहों की गवाही होनी चाहिए। सिर्फ़ एक व्यक्ति की गवाही नहीं हो सकती।

दुर्भाग्य से, इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि कभी-कभी लोग सहयोग करके अपनी कहानी को सही साबित कर सकते हैं और फिर किसी के खिलाफ़ आरोप लगा सकते हैं। इसलिए, हम इसे राजाओं की पुस्तक में नाबाल की दाख की बारी की कहानी के मामले में भी पाते हैं, जहाँ राजा अहाब का एक पड़ोसी है और अहाब को उस आदमी की दाख की बारी पसंद है, और वह उस आदमी की दाख की बारी चाहता है। और वह आदमी अपनी दाख की बारी को बेचने से इनकार कर देता है क्योंकि यह उसकी पैतृक विरासत है।

और इसलिए, रानी इज़ेबेल ने अहाब को उदास देखा। वह पूछती है, क्या हुआ, अहाब, बेटा? और वह कहता है, ओह, यह वह दुष्ट बूढ़ा पड़ोसी है। वह मुझे अपना अंगूर का बाग नहीं दिखाएगा।

और उसने कहा, ओह, चिंता मत करो, मैं उसका ख्याल रखूंगी। और इसलिए रानी इज़ेबेल ने दो आदमियों को रिश्वत देकर कहा कि उन्होंने उसे यहोवा के नाम की निंदा करते हुए सुना है। और इसलिए नाबोत को पत्थर मारकर मार डाला गया, और अहाब को उसकी संपत्ति मिल गई।

दुर्भाग्य से अहाब के लिए, परमेश्वर ने पूरी घटना को घटते हुए देखा। तो हाँ, झूठी गवाही के कुछ बहुत ही विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। किसी को भी एक ही गवाही के आधार पर मृत्युदंड का दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन फिर भी, जैसा कि हम देखते हैं, परिणाम सुनिश्चित नहीं थे।

अगर लोग अपने शब्दों के ज़रिए अपने पड़ोसियों को नुकसान पहुँचाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, तो वे ऐसा कर सकते हैं। वे उस आवश्यकता से बच सकते हैं। और यही कारण है कि हमें इन दस आज्ञाओं के बारे में ज़्यादा सोचना चाहिए, जो लोगों द्वारा की जाने वाली प्रतिज्ञाओं के रूप में

हैं, एक समझौता जो वे अपने दिलों में करते हैं कि वे ऐसे काम नहीं करेंगे जो दूसरों को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

झूठी गवाही के लिए दंड, फिर से, वह दंड जो अभियुक्त को मिलता अगर उन्हें दोषी ठहराया जाता। हम इसे व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में पहले ही पढ़ चुके हैं। तो यह फॉरेंसिक अनुप्रयोग है।

यह न्यायालय में कैसे लागू होता है? नैतिक आवेदन अब केवल यह भी संदर्भित कर सकता है कि लोगों के बारे में झूठ न बोलें जो उन्हें चोट पहुँचाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। अब, यहाँ शब्दों की व्याख्या किसी भी तरह से की जा सकती है। झूठी गवाही शब्द का अर्थ केवल झूठा बयान भी हो सकता है।

एक गवाह हिब्रू में एक साधारण विवरण भी हो सकता है। तो, यह या तो अदालत की गवाही के बारे में बात कर सकता है या यह किसी के बारे में झूठ बोलने वाले किसी व्यक्ति के बारे में बात कर सकता है। जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो यह थोड़ा परेशान करने वाला होता है, और कुछ मायनों में थोड़ा सा सुकून देने वाला भी कि पुराने नियम में कई व्यक्ति, जिनमें ईश्वर भी शामिल है, कभी-कभी लोगों की रक्षा करने या ईश्वर के राज्य के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए छल का उपयोग करने में थोड़ी समस्या रखते हैं।

और, आप जानते हैं, यहीं पर यह थोड़ा परेशान करने वाला हो जाता है क्योंकि हम जानते हैं कि प्रभु सत्य का परमेश्वर है और फिर भी परमेश्वर के पास अब्राहम जैसे लोग हैं, जो, आप जानते हैं, सारा के बारे में झूठ बोलते हैं कि वह उसकी पत्नी है या उसकी बहन। हमारे पास राहाब है, जो इस्राएल के जासूसों को छिपाती है और धन्य है क्योंकि वह उन लोगों से झूठ बोलने को तैयार थी जो उन्हें ढूँढ़ने आए थे। हमारे पास मीकल है, जो राजा शाऊल की बेटी है, जो झूठ बोलकर और लोगों को यह बताकर दाऊद की रक्षा करती है कि वह बीमार है।

और फिर 1 राजा, अध्याय 22 में यह बहुत ही विचित्र मामला है, जहाँ भगवान झूठे भविष्यद्वक्ताओं के मुँह में एक झूठी आत्मा भेजते हैं ताकि वे राजा अहाब को गिरा सकें और उसे उसके विनाश का सामना करना पड़े। हाँ, और हम यह मानना चाहते हैं कि सत्य, निश्चित रूप से, कल्पना से बेहतर है, लेकिन कुछ ऐसे मामले प्रतीत होते हैं जहाँ अच्छे इरादे से कहा गया झूठ केवल बोलने या कुछ ऐसा कहने की कोशिश करने से अधिक पुण्य है जो सच है लेकिन चोट पहुँचाता है। बाइबल अक्सर उन लोगों की निंदा करती है जो दूसरों को चोट पहुँचाने के लिए झूठ का इस्तेमाल करते हैं।

यह पूरे शास्त्रों, भजनों और यिर्मयाह की पुस्तक में नीतिवचनों में एक बहुत ही सामान्य विषय है। झूठ की बार-बार निंदा की गई है। इसलिए हमें फॉरेंसिक दृष्टिकोण का विचार मिला है।

हमारे पास नैतिक प्रश्न, नैतिक प्रश्न है। यहाँ शामिल पारस्परिक मुद्दे के बारे में क्या? लैव्यव्यवस्था 19, इस विशेष आज्ञा पर टिप्पणी और विस्तार करते हुए, हमें बताता है, लोगों के बीच गपशप करने वाले या गपशप करने वाले के रूप में मत जाओ, हम कह सकते हैं। हम यहाँ किस बारे में

बात कर रहे हैं? इस आयत में जिस हिब्रू शब्द का अनुवाद "गपशप" के रूप में किया गया है, वह राकिल है।

रकील या तो झूठे विवरण को संदर्भित कर सकता है या फिर सच्चे विवरण को संदर्भित कर सकता है। इसलिए अगर कोई किसी के बारे में गपशप कर रहा है, तो जरूरी नहीं कि वह झूठी ही हो, तभी वह दुखदायी हो सकती है। गपशप से रहस्य उजागर होते हैं, लेकिन भरोसेमंद आत्मा मामले को निजी रखती है।

यहाँ भी वही शब्द है, राकिल, यहाँ मौखिक रूप के बजाय नाममात्र का रूप है। लेकिन नीतिवचन 16:28, उपद्रवी कलह फैलाता है, और गपशप करने वाला सबसे अच्छे दोस्तों को अलग कर देता है। वे सबसे अच्छे दोस्तों को कैसे अलग करते हैं? ऐसी बातें बताकर जिन्हें उन्हें नहीं बताना चाहिए था, ऐसी बातें जिन्हें निजी और गुप्त रखना बेहतर था।

इसलिए कुछ सत्यों को अपने तक ही रखना बेहतर है। भले ही यह सच हो, फिर भी इसका इस्तेमाल दूसरे लोगों को चोट पहुँचाने के लिए किया जा सकता है। इसलिए फिर से, मुझे लगता है कि इसका सख्त अर्थ झूठ बोलना है, जो इस विशेष मार्ग के बारे में पूरी बाइबिल की गवाही को ध्यान में नहीं रखता है।

यह न केवल झूठ बोलने को संदर्भित करता है, बल्कि यह गपशप को भी संदर्भित करता है। और यदि आप मेरे शब्दों पर विश्वास नहीं करने जा रहे हैं, तो यीशु के शब्दों के बारे में क्या? मैथ्यू अध्याय 15, श्लोक 19, क्योंकि हृदय से बुरे विचार, हत्या, ठीक है, 10 आज्ञाएँ निकलती हैं, है न? व्यभिचार, ठीक है, यौन अनैतिकता। हाँ, यह भी 10 आज्ञाओं में है।

चोरी, 10 आज्ञाएँ, झूठी गवाही और बदनामी। इसलिए यीशु झूठी गवाही के विचार से आगे बढ़ जाता है, और वह नौवीं आज्ञा का विस्तार करके न केवल झूठ और झूठी गवाही को शामिल करता है, बल्कि अफवाहों को भी शामिल करता है। गपशप का बहुत बुरा असर हो सकता है।

ऐसा लगता है कि लोग गपशप को झूठा मानना पसंद करते हैं, बजाय इसके कि वह सच हो या कुछ ऐसा ही हो। लेकिन कई बार लोग यह नहीं समझ पाते कि परेशानी कितनी गहरी हो सकती है। बहुत से लोग कई कारणों से गपशप का आनंद लेते हैं।

लेकिन मेरे दादाजी बहुत समय पहले पादरी थे, और एक चर्च में जहाँ वे सेवा करते थे, एक महिला चर्च में हर किसी को बता रही थी कि यह कितना संदिग्ध है कि बहन गर्ट हर रविवार और हर बुधवार की रात प्रार्थना सभा के बाद रेवरेंड हास्किन्स के साथ घर जा रही थी। ऐसा लग रहा था कि वे बहुत सहज थे, है न? खैर, आखिरकार यह अफवाह मेरे दादाजी के कानों तक पहुँच गई, और उन्होंने पूरे चर्च को सूचित किया कि वह बहन गर्ट को घर नहीं ले जा रहे थे, बल्कि वास्तव में उनकी पत्नी, मेरी दादी, बहन गर्ट को घर ले जा रही थीं। खैर, आप जानते हैं, उन दिनों भी, इससे गपशप और अफवाहों का सिलसिला बंद नहीं हुआ क्योंकि अब, ज़ाहिर है, यह मेरी दादी ही थीं जो बहन गर्ट के साथ खिलवाड़ कर रही थीं।

मेरे दादाजी ने उस चर्च को छोड़ दिया। वे वहां कुछ नहीं कर सकते थे। मंत्रालय को एक महिला ने कमजोर कर दिया था जो यह दिखाना पसंद करती थी कि वह जानकार है और कहानियां फैलाना पसंद करती थी।

और, आप जानते हैं, हम आश्चर्य करते हैं, ऐसा क्यों है कि लोगों को गपशप करना पसंद है? ऐसा क्या है जो लोगों को ये चीजें करना पसंद है? वास्तव में इस पर कई अध्ययन किए गए हैं, और क्या कारण है कि अफ़वाहें तेज़ी से फैलती हैं, किस तरह की चीज़ें अफ़वाहों को रोकती हैं, लेकिन हाँ, और ऐसा क्या है जो लोगों को अफ़वाहों पर विश्वास करने के लिए मजबूर करता है, और कई दिलचस्प निष्कर्ष हैं। मैं यहाँ उन सभी में नहीं जाऊँगा क्योंकि यह बाइबल के क्षेत्र तक ही सीमित है, लेकिन लोगों के बीच बस एक भावना है कि अफ़वाहों को साझा करना किसी तरह उन्हें विशेष बनाता है, उन्हें अन्य लोगों से अलग करता है। चार्ल्स एलन ने कई साल पहले गॉड साइकियाट्री नामक एक किताब लिखी थी, और उस किताब में उनके कुछ बहुत ही दिलचस्प अवलोकन थे।

और एक अवलोकन, जो कि कुछ हद तक परेशान करने वाला है और आपको कभी-कभी सोचने पर मजबूर करता है जब आपके होंठ फड़फड़ा रहे होते हैं, उन्होंने कहा, महान दिमाग विचारों के बारे में बात करते हैं, औसत दर्जे के दिमाग चीज़ों के बारे में बात करते हैं, और छोटे दिमाग दूसरे लोगों के बारे में बात करते हैं। मुझे लगता है कि उस टिप्पणी में बहुत सारी बुद्धिमत्ता और थोड़ी सच्चाई है। क्या आपने कभी सोचा है कि अफ़वाहें कैसे फैलती हैं? शायद आपको यह विज्ञापन याद हो; यह 1980 के दशक की शुरुआत में था।

एक शैम्पू का विज्ञापन था, और मैं यहाँ उनका समर्थन नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन आप इसे याद रख सकते हैं। लेकिन वैसे भी, विज्ञापन में बताया गया है कि मैंने दो दोस्तों को सब-ज़ेड शैम्पू के बारे में बताया और उन्होंने भी दो दोस्तों को बताया और इसी तरह आगे भी। खैर, मैंने एक दिन थोड़ा गणित करने का फैसला किया और मैं कभी-कभी ऐसा करता हूँ।

लेकिन मैंने यह पता लगाने का फैसला किया कि अगर एक व्यक्ति रविवार को किसी को अपने शैम्पू के बारे में बताता है और वह व्यक्ति और दूसरा व्यक्ति, वे दो दोस्तों को बताते हैं और फिर उनमें से प्रत्येक मित्र सोमवार को बाहर जाता है और दो दोस्तों को बताता है और उनमें से प्रत्येक व्यक्ति मंगलवार को दो दोस्तों को बताता है और उनमें से प्रत्येक बुधवार को दो दोस्तों को बताता है, वगैरह, वगैरह, वगैरह। दो सप्ताह के अंत में कितने लोगों को कहानी पता चलेगी? कितने लोगों को सब-ज़ेड शैम्पू के बारे में पता चलेगा? शायद कोई व्यक्ति अपने दिमाग में गणित को बहुत जल्दी कर सकता है। मुझे वास्तव में आंकड़े और उस तरह की सभी चीज़ें चलानी पड़ीं।

लेकिन यह संख्या 31,967 है। अगर हर व्यक्ति सिर्फ़ दो लोगों को अफ़वाह बताता है, तो दो हफ़्तों के भीतर लगभग 32,000 लोगों ने वह कहानी सुनी होगी। और यह तब है जब हर व्यक्ति सिर्फ़ दो लोगों को अफ़वाह बताता है।

एक महीने में, शिकागो का पूरा शहर इस कहानी को सुन चुका होगा। यह बेल कर्व की शक्ति है। आप जानते हैं, तो अब कल्पना करें कि अगर यह कुछ वाकई बहुत ही दिलचस्प होता, आप

जानते हैं, ऐसा कुछ नहीं जो, आप जानते हैं, बस, आप जानते हैं, अरे, मेरे नए शैम्पू को देखो, लेकिन कुछ बहुत ही दिलचस्प गपशप।

क्या कोई व्यक्ति सिर्फ़ दो लोगों को बताकर संतुष्ट हो जाएगा? नहीं, यह बहुत तेज़ी से फैलेगा। और किसी के द्वारा थोड़ी सी विनाशकारी खबर शेयर करने से कितना नुकसान हो सकता है? मैं आपको सिर्फ़ यह बताना चाहता हूँ, प्रिय, ताकि आप प्रार्थना कर सकें। रब्बियों के पास इस तरह की स्थिति के बारे में एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है, एक किंवदंती जो यह दर्शाती है कि गपशप का किस तरह का प्रभाव हो सकता है।

तो जैसा कि कहानी में बताया गया है, याकोव नाम का एक आदमी है। वह किसी बात पर स्थानीय रब्बी से बहुत नाराज़ हो गया। इसलिए उसने रब्बी के बारे में अफ़वाह फैलाने का फैसला किया।

कुछ दिनों बाद, एक आदमी जिसे याकूब मुश्किल से जानता था, सड़क पर याकूब के पास आया, और उसने याकूब को एक तरफ़ खींच लिया और कहा, याकूब, क्या तुमने सुना है कि हमारा रब्बी कितना शराबी है? खैर, इस बिंदु पर, याकूब, अपनी खुद की अफ़वाह सुनकर, थोड़ा दोषी महसूस करने लगा। और इसलिए उसने फैसला किया कि शायद उसे सुधार करने की कोशिश करनी चाहिए। इसलिए वह अपने रब्बी के पास गया, और उसने रब्बी से माफ़ी मांगी।

खैर, रब्बी कहते हैं, मैं तुम्हें माफ़ कर दूँगा, मेरे बेटे, लेकिन भगवान से माफ़ी पाने के लिए तुम्हें प्रायश्चित्त करना होगा। तुम्हें ऐसा काम करना होगा जिससे पता चले कि तुम्हें कितना खेद है। और तुम्हारी प्रायश्चित्त का पहला भाग यही है।

तुम्हें एक तकिया लेना है, एक बड़ा नया पंख वाला तकिया, और तुम्हें उसे काटना है और उसके पंख निकालने हैं। और फिर तुम उन पंखों को लेकर शहर के हर उस घर के दरवाजे पर एक पंख रख दोगे जहाँ तुम्हारी अफ़वाह फैली है। फिर, चार दिनों में, तुम्हें मेरे पास वापस आना है, और मैं तुम्हें तुम्हारी बाकी की तपस्या दे दूँगा।

इसलिए याकूब ने बहुत पश्चाताप करते हुए निर्देशों का पालन किया। उसने तकिया लिया और उसे काट दिया, और हर दरवाजे पर एक पंख रख दिया। वह जानता था कि अब तक शहर में हर किसी ने अफ़वाह सुन ली होगी।

और इसलिए वह बहुत निश्चित था कि उसने यह सुनिश्चित किया कि पंख हर दरवाजे पर हो। और फिर पहला दिन आया और चला गया, और फिर दूसरे और तीसरे दिन, एक तूफ़ान आया, लेकिन चौथा दिन अच्छा और धूप वाला था। और इसलिए याकूब रब्बी के घर वापस गया और रब्बी के दरवाजे पर दस्तक दी।

रब्बी ने किताब खोली और याकूब ने कहा, रब्बी, मैंने आपकी आज्ञा के अनुसार काम किया है। अब, दूसरा भाग क्या है? मेरी तपस्या का दूसरा भाग। और रब्बी ने उत्तर दिया, और उसने कहा, अब तुम्हें जाकर उन सभी पंखों को इकट्ठा करना है, और तुम सभी को उन्हें फिर से वापस रखना है और तकिए को पहले जैसा बनाना है।

और याकूब चौंक गया, और उसने कहा, रब्बी, आपने जो पूछा है वह असंभव है। उसने कहा, आप जो कह रहे हैं वह नहीं हो सकता। ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे मैं तकिया को पहले जैसा बना सकूँ।

इस नुकसान को ठीक करने का कोई तरीका नहीं है। अब तक, पंख दूर-दूर तक बिखर चुके हैं। और रब्बी कहते हैं, और अब मेरे बेटे, तुम जानते हो कि तुम्हारे शब्दों ने मेरे साथ क्या किया है।

आपके शब्द दूर-दूर तक फैल गए हैं, और उन्होंने जो नुकसान पहुंचाया है, उसे कभी भी ठीक नहीं किया जा सकता। गपशप करना एक मज़ेदार गतिविधि है, और कई लोग इसे हानिरहित मानते हैं। लेकिन हमें इस बारे में सावधान रहने की ज़रूरत है कि हम लोगों के बारे में क्या कहते हैं, सिर्फ़ झूठ के बारे में नहीं और सिर्फ़ आधे-अधूरे सच के बारे में नहीं जो किसी की प्रतिष्ठा को नष्ट कर सकते हैं।

हमें उन सत्यों की भी परवाह करनी चाहिए जो हम बुदबुदाते हैं, वे सत्य जिन्हें अपने तक ही सीमित रखना बेहतर होगा क्योंकि हमारे शब्द उड़ान भर सकते हैं और उन जगहों पर जा सकते हैं जिनकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी या वे हमारे घर वापस भी आ सकते हैं, और इस प्रक्रिया में हमें कुछ शर्मिंदगी भी उठानी पड़ सकती है। यीशु ने हमें चेतावनी दी, "तुम्हें हर बेकार बात का हिसाब देना होगा। मैं यह मानने से खुद को नहीं रोक सकता कि यह वास्तव में इस नौवीं आज्ञा के पीछे का प्रमुख सिद्धांत है।

सिद्धांत, न केवल न्यायालय में झूठी गवाही न देने का, बल्कि इस बात का भी बड़ा सिद्धांत है कि हम अपने शब्दों का प्रयोग किस तरह से करते हैं और किस तरह से वे शब्द हमारे पड़ोसियों को चोट पहुँचा सकते हैं।

यह डॉ. एंथनी जे. टॉमसिनो और दस आज्ञाओं पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 10, आज्ञा 9 - कोई झूठी गवाही नहीं है।